> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

नवाचार कार्यकर्ता की भूमिका Role of innovation worker —

नवाचार कार्यकर्ता को निम्नलिखित कार्य करने होते है —

1- नवाचार ग्रहण करने वालों की समस्याओं को समझना
2- उन्हे नवाचार की आवश्यकता की अनुभूति कराना
3- उनके साथ चर्चा करना कि नवाचार उनकी किन आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा
4- उनका उत्साह बनाये रखना
5- उनके साथ सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखना
6- उनके मन मे नवाचार के प्रति दृढ संकल्प निर्मित करना
7- यह प्रयत्न करना कि नवाचार का कार्य बीच मे ही न अटक जाये।

नवाचार कार्यकर्त्ता के गुण Qualities of the Innovation Worker —

सफल और प्रभावी नवाचार के लिए नवाचार कार्यकर्ता में निम्नलिखित गुण चाहिए —

1- ग्रहणकर्ताओं की समस्याओं की ओर ध्यान
2- उनके साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार
3- उनका विश्वासपात्र बनना
4- सतत प्रयास करते रहना

Scanned with CamScanner

> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

5- उनमे यह क्षमता उत्पन्न करना कि वे नवाचार का मूल्यांकन कर सके,
6- उनकी आवश्यकताओं को ध्यान मे रखना
7- दूसरे लोगों को समझने की योग्यता
8- उनको प्रोत्साहित करते रहना
9- अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने की योग्यता अपने मे विकासित करना

नवाचार के मार्ग मे आने वाली बाधाएं Barriers to innovation :—

नवाचार के मार्ग मे निम्न बाधाएं आ सकती है —
⇒ व्यक्तित्व सम्बन्धी बाधाएं
⇒ अनजान जनित सामाजिक या क्रियात्मक बाधाएं

1 - व्यक्तित्व सम्बन्धी बाधाएं

इन बाधाओं की गणना व्यक्तित्व सम्बन्धी बाधाओं मे की जा सकती है —

(i) आत्मविश्वास का अभाव —

आमतौर पर व्यक्ति को अपनी क्षमताओ और योग्यताओं मे पूरा-पूरा विश्वास नही होता है, वह सोचता है - मुझमे इतनी शक्ति कहा है कि परम्परा से चली आती रूढ़ियो और अहमविश्वासो

Scanned with CamScanner

को भग्न कर सकूं।

ऐसी स्थिति में अधिकारियों को पुरस्कार देकर, सम्मान देकर तथा अन्य मनोवैज्ञानिक तरीके अपनाकर, ग्रहणकर्ता के आत्मविश्वास में वृद्धि करते रहना चाहिए।

(ii) प्रथम प्रभाव –

किसी व्यक्ति के मन में, किसी बात का जो पहला प्रभाव होता है, वह बड़ा गहरा और दूरगामी होता है। बाद में यदि कोई बात, इसके विपरीत होती है, तो वह उसे स्वीकार करने में कतराता है।

(iii) - आदतें –

व्यक्ति एक बार जो आदत बना लेता है, उससे छुटकारा पाना बहुत कठिन होता है। यदि नवाचार को सफल बनाना है, तो ऐसा परिवेश बनाना होगा, जिसमें व्यक्ति की आदतों में वांछित परिवर्तन लाया जा सके।

(iv) असुरक्षा का भाव और पलायन

— प्राय: व्यक्ति जब किसी नवीन वस्तु को अपनाता है और मार्ग में बाधाएं आ जाती हैं, तब वह अपने आपको असुरक्षित अनुभव करने लगता है और पीछे की ओर पलायन करके, फिर से पुरानी बात या व्यवहार को अपना लेता है।

Scanned with CamScanner

> Date

(V) नैतिकता — यदि नवाचार व्यक्ति की नैतिक मान्यताओं या परम्परागत श्रद्धा बिन्दुओं के विरुद्ध आता है, तो वह उससे दूर भागना चाहेगा।

(vii) - भविष्य की आशा — व्यक्ति को अपने अतीत काल मे जो सफलताएँ प्राप्त होती, उनके आधार पर वह अपने भविष्य की आशाओं और आकांक्षाओं का निर्माण करता है जिस सीमा तक वह अपनी सफलताओं के प्रति आश्वस्त होता है उस सीमा के आधार पर ही वह किसी नवीन कार्य को हाथ मे लेता है। असफलता का थोड़ा सा संशय भी उसे नवीन कार्य से विरत कर सकता है।

अतः यह आवश्यक है कि नवाचार को प्रयोग मे लाते समय उसे सुखद अनुभव कराये जाये और उसे इस बात की अनुभूति कराई जाये कि वह इस कार्य मे अवश्य सफल होगा, ऐसी स्थिति मे वह नवाचार को बड़े उत्साह के साथ अपनायेगा।

(viii) समाज का भय — प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी सामाजिक समूह का घटक होता है। वह समूह के मूल्यों का, समूह की परम्पराओं का सम्मान करता है। वह डर

> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

मान्यताओं के विरुद्ध नहीं जाना चाहता, क्योंकि उसे भ्रम लगा रहता है कि कहीं वह समाज से अलग थलग न पड़ जाये। समूह के बिना वह नहीं रह सकता। इसी भ्रम के कारण वह किसी नई बात को नहीं अपना पाता चाहे वह बात कितनी ही हितकर क्यों न हो।

अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इस स्थिति में उदाहरण ~~कैसे~~ प्रस्तुत करने होंगे, जिन्होंने समाज की अनुचित परम्पराओं का उल्लंघन करके सफलतापूर्वक नवाचार को अपनाया है।

Scanned with CamScanner